

[illegible]

वि

ॐ नमः श्रीगणेशाय नमः ॥ अथ नमः पुनः ॥ मित्रलज्जं विष्णुं ॥ सगुणकलनागचयुदीयकायनागधीशं नुनयकं
गन्धनजलदलयद्रवायमल्यमववृष्टवायवर्धनकादिकि (शिवं यन्मित्रमननकडुनवासुकि ॐ नमः ॥ नमः ॥
यद्यज्जगत्तमं यानने जलककोटिके वायुवकुलिकं लिखत ॥ ॥ थकायनासमल्यमननक विदिवाजीहनाभु
याभननमः ॥ ॥ यद्यमस्वानवाभुनू वीजनिधि ॥ ॥ दकिनसमासयुष्यनागभुसिन्नना ॥ ॥ यन्मित्रमसकोभुम
शिकावीजकंसक्रुठ ॥ ॥ उरुसयुवाभुडाहावाजमल ॥ ॥ ॐ नमः ॥ प्रकावीजमृष्टाभुकंम ॥ ॥ जगत्तमं यानने
वीजकक्रुठनभुक्रुठ ॥ ॥ नमः ॥ यियकाभुकंसक्रुठ ॥ ॥ वायुवायुनायुहाम्भु वीजनाडाना ॥ ॥ दकिन
वैशमना ॥ ॥ किनावतिनासं जगत्तमं यानने दाम्भिकायनाथयनायायादिगविदिगसंय वाकिदाननकयक ॥ मल

[illegible]

धियतय सैसुवैतथगतसत्यनमेवावीशुध कन (सालादय ०० दन स्वद्विय अमूक काज नार्थ गायनिग कुतीताय
 जागकु २२ नुव स्व ३३ थगवा क नकातावसलं वनय ॥ धन कयायि वि२२ नयूहा ॥ ॥ गता ०० दिला कयालय
 आदिआक वंहा यकायू स्यान्माग ॥ लैयैला कया लनास्या मुनि ॥ ॥ नेदु सनयति वेव वज दसु मदा वल सर्वव
 का धियदवं ०० दायनन मसुन ॥ १ ॥ नीलकाय मदागर्ज मदिषा सनायसस्किर्गं यमदधुधनं धार्य श्राकता
 ककन साम्पदं ॥ २ ॥ शुद्धस्फटिकमकाशं अहनागाधिययस दालमशिकलं धार्य वन धायन सामिदं ॥
 ३ ॥ गुरुकाय मदागर्जं डालकाय समयुर्हं अग्नववदाकाय कवनायन सामिदं ॥ ७ ॥ द्वादशादृत्यतर्जक
 गुनवायधनं नीनं वा मकर्म द नक्षत्रौ र्म्य अज्ञो सनं न सामिदं ॥ १ ॥ नाकावर्त्ममहाकाय हा नारल दारु विर्गं र्वर्ज

वा उधनं वा नंयतासनं न सामिदं ॥ ५ ॥ यनदसुक सुवाहं सखाददमहावलं वं वनववनादव मगासनं नम
 मिदं ॥ १ ॥ गुरुपाशवि नयवशु कवर्त्ममहादालं सदाक ल्याध विर्लं त्रियूमाक कन साम्पदं ॥ ८ ॥ दुर्ध
 वक्रापीनवर्त्त वदुवदयानग क मसुल अक सूर्जव दं सात्र दं न साम्पदं ॥ २ ॥ नाग वाजं दुधवर्न कना
 ऊरलिकलयूटं यक्रय त्रिसंस्किर्गं शवनागं न साम्पदं ॥ १० ॥ यथिविकलमधनं वेव अमृग कुसुमं यूर्ग
 सव्विक कन कवली यक्रासनं न सामिदं ॥ ११ ॥ गता नलयाय धन ॥ गता नलदवना गिरा वनापगता
 मय्ययनमात्रयडौ ॥ गतुलै नल मध्या गिरा वयन ॥ ॥ गता जायमसुल म ध्य वै का ननयय माली यन इय विर्य
 का नाकन वनूर्ध्वयै उक मर्तव्यि हर्जै उ क वल्ले स क रु धां कत वासन नागवाग धनं द क्रिष्ट नाह ययदी ॥

पूर्वदलज नरु नाग ना नील वल्ली विरुद्ध ॥२॥ दकि (गंय) नाग नागा गु क्त वल्ली य रं दृष्ट ॥३॥ यश्चिमदल
 नरु क नाग नागा न क वल्ली न व दृष्ट ॥४॥ इरु न वा सु कि नाग नागा न्या स वल्ली स क दृष्ट ॥५॥ वी मा न स दाय द नाग
 नागा वल्ली स क दृष्ट ॥६॥ अग्र य द ल गं य या ल नाग नागा पी वल्ली स क दृष्ट ॥७॥ ने स त्य क क र ट क नाग
 नागा वल्ली स क दृष्ट ॥८॥ वा य व क लिक नाग नागा कं क म वल्ली स क दृष्ट ॥९॥ ल स मू डा वि ग या स्वा रु मु समा
 य को ना स म यं क त्य सं य स्था ना उ द दि ला री व नू द व व अ क ल नाग भिय न य वृ द र्ज व दिय य ना वि ना य नाग वृ मु
 उ व स ॥ ॥ अथ वा ॥ अ न ॥ अ म्मा क ना र व स व र्ज व क मु म अ न द र व रि गि लि नी य न वा म्ब र ल क्क दाला क लान व नू द
 स मु ल मु क्त रा वं नू या व का गि स म्म य व न म्मि माला अ क रि न र्ग य वि व र्ज न टा क ला रं य र्हा य वि ग गि त व मु वि र वि :

ता क । स या रु या क य नि स मु त द स य द र्म वा म रि गि र्ग य नि द मु क म मु नू ल ॥ उं वा व का अग्र य स्वा दा ॥ उ द दि म दा
 रु त द व वि द्दी ज स रु म गृ ही वा रु नि म दा नू ता सिं । स त्रि दि ता रु व स्वा दा ॥ उं ट कि उ ३ र्दं ३ ट कि ना र म यु ॥ अ य
 ना ला र न ॥ य ना । य य ना म ॥ उं ओ ४ व नू द य र्दं नं र्दं स्वा दा ॥ म अ ॥ उं अ नं ना य र्दं नं र्दं स्वा दा ॥ उं य मा य र्दं नं र्दं स्वा
 दा ॥ उं न क का य र्दं नं र्दं स्वा दा ॥ उं वा म्म किय र्दं नं र्दं स्वा दा ॥ उ ॥ उं म दा य दाय र्दं नं र्दं स्वा दा ॥ वी ॥ उं म र व
 या नी य र्दं नं र्दं स्वा दा ॥ अ न ॥ उं क को ट का य र्दं नं र्दं स्वा दा ॥ ने ॥ उं क लिका य र्दं नं र्दं स्वा दा ॥ वा ॥ यं ला यं सु
 नि ॥ व नू द म द या म दा ना र य ४ स स द व व व स्वि न स लार्थ य स दा नि र्ग व नू द य न म मु र्ग ॥ ॥ उं सर्व त था ग र का य
 वि अ ध न स्वा दा ॥ क ल म रि य क । म र व लं व न दा य ॥ उं व ज द र्दं नं र्दं ॥ क ल न क न ॥ उं व पु ना द व ज व नू द ना ग भिय न

यस्यैवविद्युद्वरहं ३८८ स्वाहा ॥ द्वादशायकसंघत ॥ ॥ उं ग्रीवजसखआ ॥ १ ॥ उं खगुजाहहं ६६ स्वाहा ॥ ततागलसि
मावियलं खसाया ॥ तताहवायकनर्मी ॥ विदि ॥ भाघन ॥ उं आ ४ हं ॥ यत्रस्मेत्यादि ५ ॥ ॥ गुताववृक्षमुखहं वं कात्रननु व
रुलधमानं शुक्रवर्जं विरावव्या ॥ लावता ॥ ॥ उं अग्नमस्वाहा ॥ यत ॥ उं अयनितहनवजायस्वाहा ॥ महाकृष्ण ॥ उं अ
मृतनगायस्वाहा ॥ उं वजायस्वाहा ॥ ॥ यतद्वीकृषु ॥ ॥ ॥ उं वजवृक्षयहं स्वाहा ॥ वरुंसि ॥ उं वाघिवृक्षाय
स्वाहा ॥ डारंगनसि ॥ उं वजयहं स्वाहा ॥ इम्वनसि ॥ उं वजयगायस्वाहा ॥ यिनायसि ॥ उं वजकृषनायस्वाहा ॥
उनसि ॥ उं वसुधकोनायस्वाहा ॥ अम्वनसि ॥ उं सर्वयायदहनवजायसर्वयावदह २ स्वाहा ॥ ॥ यतगिन ॥ उं वजयस्थ
स्वाहा ॥ ॥ भाग्योक्तं ॥ उं वजयगायस्वाहा ॥ त्यक्ता ॥ उं वजवीनायस्वाहा ॥ स्वानवा ॥ उं वजनागायस्वाहा ॥ नाम ॥ उं सर्वार्थ

सिद्धस्वाहा ॥ नकायका ॥ उं सर्वसंयदस्वाहा ॥ ॥ उं वजवर्जनरुलायस्वाहा ॥ रुलादिकालसि ॥ उं अग्नीषीत
स्वाहा ॥ रुकित्रीजघ्नायस्वाहा ॥ यवसमृमिश्रितनहागवा ॥ उं आ ४ हं स्वाहा ॥ सुदुष्ट ॥ सकि ९ नससादका ॥ सैरवदया
॥ यं लासमुग ॥ गंखंशरुयान ॥ रुष्टानामिकाथी ॥ गहीशागंखयैके इग्वइव्वीकृषुसदिगनरुलरुनारुगि १२ कात्र
यत ॥ यथमाहूतिवोक्स्वसिवाय ॥ उं अनकवागुकित्यादियथा निमित्तं ॥ उं रुलनाहूतिं वृणीकृ स्वाहा ॥ मूलमरु
रुगेदयज्ञरुयान ॥ यं लासमुग ॥ ॥ ततागलवृक्षनावमर्गकात्रधन ॥ लाकारुनरुनान्निविराया ॥ जलाग्नेयय
नागुद्वीतकमलवृक्षनायविमपुलात्रियनिवागुनिधनविद्रवागुनिनाममपुलात्रियनिमपुलयन्निवाया ॥
हानसखकृतिनमिबसमनसितनसद्वीकीरुग ॥ ॥ विधिर्थादवयजा ॥ स्वनागरावना ॥ स्वमपुलात्रियनिमकृनदवा

रुद्रयोग॥युर्वेद॥ॐ आष्टवक्रनागनागायकं स्वाहा॥हृदयनादनि॥यंला घं मुग॥यधर्म॥वलि॥॥धंनकु
थिरुनसांदिनिह्रनसां वयिह्रनसांयुतिष्टायार्थ॥नगोद्यानिसं(अधन)गिसाकायनयनंतथाशक्तनामायन
यनानिचूठाकर।धमवय।वृतादगसमावर्तयानिग्रहनाग्निकर्मणी।उर्वदगक्रियाध(गनायिनद्यथा॥
युतिष्टामखगसादगकर्मममाल॥थनजुक्ततत्कृष्णवरायूहासूययसमगनवाजावमूलमकुमजाकृतिंया
य॥रासाह्वानयनीववृष्टादयमकुहृतिंस्वाहा॥जुक्त॥इदूदूर्वाकुपुथ्यतर्गखसथदावतलरुतिविय॥॥
यंला घं मुग॥महावलिविय॥यूजा॥कर्तक॥जाययाहनयूर्वाजात्रेइटा॥रुमत्रसि।वाजा।प्रयगु।जहु
डावधियाजुमायलउरुलववत्र।वदुनगुनि।धूना।सकिहुम्याव॥नससादकायैयैयकवान्ग्यवः

ग्यात्र॥अग्निविद्विद्वय॥गंखसइइद्वारुलस्वानयाधनसूवर्हदक्रदागस्यैयूर्वाकृतिंयाय॥जलाहिकक॥
यंला घं मुग॥गताहलरुमायनजागिर्वीदे।विगर्जन॥गगुमादिकंदत्वास्वयंमेवगृदित्वा॥कलेगलिषक
गुननिर्यातनदक्रिष्टीक्षकयित्वा॥यत्रमजागिवादेदत्वा॥(गमाकृतिमनुलाग्निसंहानयन॥स्वस्वकोनानूकर्म
नयनिवात्रनागकुतुवलिंठोकयन॥मलकपुहुस्वसाधकस्वानसमययन॥जलाग्निलकुस्वसाधनजलस्वा
नयुक्रियावदिचइमूलसमययन॥विमर्जनतिकमानियज्ञाचयूजयनसमयावकागडावर्कवकात्रयन॥यनिनामेना
क्रातिकमहावलिविभननधूर्मांगालिसंयुजितनयुजम्यविगर्जयन॥तदावमर्नकत्वास्व(अधनगृदित्वादाः
नानूसंसाययित्वास्वस्वएवनामिजहाव॥॥वृत्तिसर्वग्रहविभनानूकनजलजोगनयूजाविधिसमाक॥
लिरियनेयंती३नत्रकाहुमहाविहानावलिंठवजाहवग्रीवजावार्यमहोम।धीदवति॥वसुमनमकनगुरुमकु॥

13-14

BIBLIOTHECA (16)